Regarding need to set up a high-level committee to probe the killing of Vedanta Kesari Swami Laxmanananda Saraswati in 2008 and also release a postal stamp in his honour-Laid

श्री रुद्र नारायण पाणी **(**धेन्कानल**) :** वेदांत केशरी स्वामी लक्ष्मणानंद जी सरस्वती केवल आध्यात्म क्षेत्र के नहीं थे बल्कि सामाजिक सुधार के प्रतीक थे । हिमालय में साधना के बाद ओडिशा के कंधमाल में उन्होंने जनजातियों के लिए जीवन खपा दिया । अनुसूचित जाति के लोगों के उत्थान हेतु भी उन्होंने अनेक कार्य किए । विशेषकर लालच में कराए जाने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए उन्होंने श्रद्धापूर्वक काम किया । कन्याओं को पाठ पढ़ाने के लिए विशेषकर उनके संस्कृत शिक्षा हेतु आश्रम और विद्यालय की स्थापना की कंधमाल जिले के चकापाद और जलेशपता में आश्रम की स्थापना की । दुर्भाग्य से 17 साल पहले जन्माष्टमी के दिन (अगस्त 23, 2008) आतंकवादी तत्वों द्वारा उनकी बर्बरतापूर्ण तरीके से निर्मम हत्या कर दी गई । आजतक सार्थक दंड विधान नहीं हो पाया है । अतः सरकार से मेरा विनम्र निवेदन है कि संत शिरोमणि वेदांत केशरी स्वामी जी की निर्मम हत्या के कारणों की खोज निकालने हेतु उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जाय । उस समय ओडिशा में नक्सलवाद अत्यंत उग्र रूप में विद्यमान था । लालच से गरीब आदिवासी अनुसूचित जाति के लोगों को धर्मांतरण करने वाले तत्व नक्सलियों के साथ मिलकर स्वामी जी की हत्या किए होंगे । इस प्रकार का संदेह आज भी लोगों में बरकरार है । स्वामी जी की त्याग तपस्या व बलिदान को देखते हुए उनके नाम से एक स्मारक डाक टिकट भी जारी किए जाने हेतु मैं सरकार से निवेदन कर रहा हूँ ।